* ॐ *

सचित्र

बड़ा जैन-ग्रन्थ-संग्रह।

मनोहर २१ चित्रों सहित ४२४ पृष्ठों में १६१ चुने हुए
दो भागों में आवश्यक सम्पूर्ण नित्यपाठों का

अपूर्व संग्रह।

प्रथम भाग के संग्रहकर्त्ता—

खुरई (सागर) निवासी मास्टर छोटेलाल जैन।

प्रकाशक—

जैन-साहित्य-मन्दिर, सागर [म० प्र०]

ज्येष्ठ १९८३
वीर सं० २४५२ } प्रथमवार { पक्की जिल्द २)
सुनहरी जिल्द २।)